Date __/__/____ Page No.: ____

NAME = SIMRAN RAI

ROLL No. = 366

SUBJECT = Conflict and peace building (Pol. Science)

COURSE = B.A. Prog (3rd year)

Chitra

"There are no great things, only small things with great love. Happy are those."—Mother Teresa

Scanned with Cam

Date __/__/____ Page No.: ____

Assignment

प्र० जातीय संघर्ष से आप क्या समझते है ? उदाहरण सहित समझाए ।

उ० **भूमिका**

शीत युद्धोत्तर विश्व में जातीय संघर्ष अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती के रूप में सामने आया। एक अनुमान के अनुसार, 1945 से ही जातीय हिंसा के कारण लगभग एक करोड़ लोगों की जीवनलीला समाप्त हो गई। (होरोविटज) सोवियत गुट और पश्चिमी गुट के नेता अमेरिका के बीच शीत युद्ध ने विभिन्न देशों के बीच क्षणभंगुर मुद्दों को निष्प्रभावी करके विश्व समाज में स्थायित्व प्रदान किया। सोवियत संघ के विघटन के बाद द्विध्रुवीय व्यवस्था खत्म हुई जिसने विखंडित जातीय बहुध्रुवीय अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था का रूप धारण किया। निरंतर बढ़ती हुई जातीय हिंसा साम्प्रदायिक रूप धारण करती प्रतीत होती है जिससे पश्चिमी देशों के बीच केन्द्रीय सुरक्षा चिन्ता का विषय होती जा रही है।

जातीय संघर्ष

जातीय राष्ट्रीय संघर्ष की समीक्षा करने से पहले, हमें उन महत्त्वपूर्ण शब्दो की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए जिनका इस विषय मे बार-बार प्रयोग हुआ हैं।

राष्ट्र

इस विषय मे सबसे महत्त्वपूर्ण शब्द है – "राष्ट्र" जिसके

Scanned with Ca

Date ___/___/______ Page No.: ________

ऊपर जातीय राष्ट्रवाद की संपूर्ण संकल्पना टिकी हुई है। कोलम्बस तथा वोल्फ ने लिखा है कि राष्ट्र वह संकल्पना या ऐसा सिद्धांत है जो समान जातीयता को स्वीकार करते हुए सबकी समान संस्कृति में "एक व्यक्ति" जातीय और सांस्कृतिक पहचान को बनाये रखने में समर्थ होता है। इसे इस प्रकार भी समझा जा सकता है कि जनता का वह वर्ग जो अपने आपको इतिहास, संस्कृति तथा एक सामान्य वंश परम्परा के बंधनों की वजह से एक समुदाय विशेष में बंधा हुआ मानता है।

राष्ट्रों की कुछ वस्तुपरक विशेषताएं होती हैं जिसमें एक भूभाग, एक भाषा का धर्म या एक समान वंशज शामिल है तथा कुछ व्यक्तिपरक विशेषताएं होती हैं, जिसमें मुख्यतः अपनी राष्ट्रीयता के प्रति जनता की जागरूकता व उसका प्रेम, होता है।

राष्ट्रवाद

राष्ट्रवाद, राष्ट्र की जनता के बीच व्याप्त एकता तथा देशभक्ति की भावना है। ऐसी भावना में प्रतिरक्षा और उन्नति की इच्छा की जाती है। अर्थात सांस्कृतिक समरूपता, सुनिश्चित भूभाग में साहचर्य के साथ रहने, एक विशिष्ट अस्तित्व और एकसमान नियति में विश्वास रखने की विशेषताओं से युक्त कुछ व्यक्तियों की मनोदशा राष्ट्रवाद कहलाती है।

बीसवीं शताब्दी में जातीयता प्रबल रूप में उभरी है। छोटे जातीय राष्ट्रवाद के आधार पर स्वतंत्र राष्ट्र राज्य की मांग के रूप में संचारित हो सकती है। यहां यह बताना महत्त्वपूर्ण है कि राष्ट्रवाद की धारणा और राष्ट्र राज्य का आदर्श अनिवार्यतः जातीयता पर आधारित नहीं है।

Chitra
"Patience is a key element of success." – Bill Gates
Scanned with Car

Date __/__/_____ Page No.: _____

जातीय समुदाय

एक राष्ट्र राज्य में एक या अधिक जातीय समुदाय एकत्रित हो सकते हैं। जातियां समुदाय वे समुदाय हैं जो कि मिलकर बने हैं या जिनकी समान अनुभव और सांस्कृतिक विशेषताओं पर आधारित एक विशिष्ट और सामूहिक पहचान होती है। वे किसी एक या सभी अग्रलिखित विशेषताओं, जैसे जीवनशैली, धार्मिक विश्वास, भाषा, शारीरिक बनावट निवास का क्षेत्र, परम्परागत व्यवसायों, विजित इतिहास और सांस्कृतिक भिन्नता वाले लोगों द्वारा दमन आदि के आधार पर वे या तो स्वयं को परिभाषित कर सकते हैं या दूसरों द्वारा परिभाषित किये जा सकते हैं।

जातीयता

जातीयता एक जातीय पहचान का बोध या एक जातीय समुदाय विशेष से जुड़े रहने की अनुभूति है। जार्ज डी बोस ने इसे ऐसे परिभाषित किया है कि "संस्कृति के किसी पहलू का, दूसरे समुदायों से अपने आपको अलग रखने के क्रम में, जनता के एक समुदाय द्वारा व्यक्तिपरक संकेतात्मक या प्रतीकात्मक प्रयोग जातीयता है।"

एक जातीय पहचान बनाने के लिए, समान वंशज, एक ऐतिहासिक सामाजिक संस्कृति या भौतिक विशेषताएं और निजत दृष्टिकोण तथा व्यवहार के समान तरीकों इत्यादि कारकों का का समुक्त होना आवश्यक है। समान वंशज एक बहुत ही महत्वपूर्ण अवयव है। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक प्रतीकों जैसे धर्म, भाषा, रीति रिवाज, सामाजिक विश्वास और प्रचलनों इत्यादि का होना भी जातीयता का लक्षण है। पहचान के अतिरिक्त ऐसी पहचान को पुष्ट करने के लिए जातीय समुदाय के सदस्यों को आवश्यक रूप से विचार, व्यवहार, तरीके

Scanned with Ca

Date __/__/____ Page No.: ______

अनुभूतियों तथा तात्पर्य आदि में शामिल होना चाहिए इससे भी बढ़कर उन्हें महसूस होना चाहिए कि वे समान नियति भी रखते हैं उदाहरणार्थ, श्रीलंका के तमिल, पूर्व युगोस्लाविया के मुसलमान इत्यादि।

जातीय संघर्ष का अर्थ

जातीय संघर्ष वे होते हैं जिनमें अंतर्निहित भेदभाव जातीय समूहों के बीच कथित मतभेदों पर आधारित होता है। जातीय संघर्षों में उनकी जातीय पहचान के आधार पर एक और आबादी के अमानवीयकरण को शामिल किया जाता है, जिससे अक्सर हिंसा हो सकती है। क्योंकि अमानवीयकरण अक्सर एक पूर्वापेक्षित हिंसक जातीय संघर्ष है, जिसके परिणामस्वरूप सभी अक्सर नरसंहार और अन्य अकथनीय अत्याचार करते हैं। तो, जातीय संघर्ष क्यों होते हैं।

उप राष्ट्रवाद के सदृश्य, जातीय राष्ट्रवाद, जातीय समुदायों की जातीय पहचान पर आधारित है। यह राष्ट्रवाद का सीधा विभाजन है तथा यह उन सभी लोगों को इससे बाहर रखता है जो एक समान जातीय समुदाय से संबंधित नहीं है अर्थात यह राष्ट्रवाद का विशिष्ट रूप है जो एक ही जातीय समुदाय को शामिल करता है, उदाहरणार्थ, संपूर्ण विश्व के मुसलमान एक राष्ट्र बनाते हैं, लेकिन ये भी आगे दो मुख्य जातीय समुदाय (शिया और सुन्नी) में विभाजित हैं और वे बहुत से छोटे छोटे समुदायों ~~जो~~ फिओरकास कहलाते हैं जैसे खान, सैयद कुरैशी इत्यादि। विशेष जातीय समुदाय के आधार पर उठी कोई भी लहर जातीय राष्ट्रीय संघर्ष कहलायेगी। आठ साल तक चला इराक ईरान युद्ध जातीय राष्ट्रीय संघर्ष का एक उदाहरण है जिसका कारण शिया सुन्नी विवाद था।

Chitra

"Patience is a key element of success."—Bill Gates

Scanned with Ca

Date ___/___/______ Page No.: ______

जातीय संघर्ष के उदाहरण

1. जब सोवियत संघ का विघटन नहीं हुआ था तब वह कई जातीय समुदाय से मिलकर बना था और सोवियत संघ के शासक ने सभी जातीय समुदाय को रोककर रखा था क्योंकि यह सब एक राष्ट्र में थे लेकिन सोवियत संघ के विघटन के बाद सभी जातीय समुदाय स्वतंत्रता की मांग करने लगे। सोवियत संघ का आखिरी मिखाइल गोर्बाचेव की नीतियां उतनी कारगर नहीं थी जिसके कारण सोवियत संघ के जातीय समुदाय स्वतंत्रता की मांग करने लगे और अन्ततः सोवियत संघ का विघटन हो गया।

2. यूगोस्लाविया भी विभिन्न जातीय समुदाय से मिलकर बना था और जब तक मार्शल टीटो यूगोस्लाविया का शासक था तब तक उसने सभी जातीय समूह को बहुत अच्छी तरह से संतुलित कर रखा था। इसके बाद 1985 में जो नया राष्ट्रपति आया तो जितने भी जातीय समुदाय थे यूगोस्लाविया में 6 गणतंत्र में उन्होंने राजनीतिक स्वतंत्रता मांगनी शुरू कर दी क्योंकि उसकी नीतियों में एकता नहीं थी। अंततः 2006 में यूगोस्लाविया का विघटन हो गया।

3. रवांडा नरसंहार तुत्सी और हुतु समुदाय के लोगों के बीच हुआ था एक जातीय संघर्ष था। 1994 में 6 अप्रैल को किगाली में हवाई जहाज पर बोर्डिंग के दौरान रवांडा के राष्ट्रपति हेबिआरिमाना और बुरुन्डियान के राष्ट्रपति सिप्रेन की हत्या कर दी गई, जिसके बाद ये संहार शुरू हुआ। करीब 100 दिनों तक चले इस नरसंहार में 5 लाख से लेकर 10 लाख लोग मारे गये।

Scanned with Ca

Date __/__/____ Page No.: ____

4. अरब इज़राइल युद्ध जातीय संघर्ष का ही उदाहरण है। 1948 में अरब इज़राइली युद्ध इज़राइल तथा अरब राज्यों के सैनिक गुटों और फिलीस्तीनी अरब सेनाओं के बीच लड़ा गया था।

5. श्रीलंकाई गृहयुद्ध श्रीलंका में बहुसंख्यक सिंहला और अल्पसंख्यक तमिलों के बीच 23 जुलाई 1983 में आरंभ हुआ था। यह श्रीलंकाई सरकार और अलगाववादी गुट लिट्टे के बीच लड़ा जाने वाला युद्ध था। लिट्टे श्रीलंका द्वीप के तमिल के अल्पसंख्यक के लिए एक स्वतंत्र राज्य चाहता था। यह संघर्ष जातीय संघर्ष का उदाहरण है।

6. सदियों से कश्मीर में रह रहे कश्मीरी हिन्दू पंडितों को 1990 में मुस्लिम द्वारा प्रायोजित आतंकवाद के कारण से घाटी छोड़नी पड़ी। अत्याचार एवम् नरसंहार के पश्चात, राजनीतिक लाभ लेने के लिए नेताओं द्वारा जातीवाद को बढ़ावा दिया गया।

निष्कर्ष

जातीय संघर्ष स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर देखा जा सकता है। ऐसे संघर्षों की क्षमता विश्व के सभी राष्ट्रों को अस्थिर करने की होती है एवं अंतर्राष्ट्रीय निकाय को असुरक्षा एवं विघटनों के युग में उलझाने की होती है।

Chitra

"There are no great things, only small things with great love. Happy are those."—Mother Teresa

Scanned with Ca